Raj Express (Indore), 06th July 2022, Page - 11

आईआईटी इंदौर कर रहा 75 प्रौद्योगिकियों का पोषण

समूह निगरानी कार्यशाला का समापन

इंदौर। आईआईटी इंदौर में एसईआरबी स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट- लाइफ साइंसेज (एसआरजी-एलएस) की पहली समूह निगरानी कार्यशाला का समापन मंगलवार को हुआ। प्रोफेसर सुहास एस. जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर ने उद्घाटन भाषण दिया। प्रोफेसर जोशी ने संस्थान में एक शोध आधारित उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए संस्थान की योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, संस्थान लगभग 75 प्रौद्योगिकियों का पोषण कर रहा है, और इनके प्रोटोटाइप व उपयोगी उत्पादों में रूपांतरण की दिशा में काम कर रहा है। साथ ही, संस्थान, उद्यमिता में फाउंडेशन स्तर के पाठ्यक्रम और बिजनेस केस स्टडी असाइनमेंट के माध्यम से, स्टूडेंट्स में उद्यमिता की भावना पैदा कर रहा है। कार्यशाला में 23 विशेषज्ञ समिति के सदस्यों और विभिन्न संस्थानों के 85 प्रमुख जांचकर्ताओं (पीआई) ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर शिव मोहन सिंह (वैज्ञानिक जी), एसआरजी कार्यक्रम सलाहकार, एसईआरबी-डीएसटी, प्रोफेसर मनोज प्रसाद, एसआरजी-एलएस समिति के अध्यक्ष और डॉ. प्रमोद कुमार प्रसाद, कार्यक्रम अधिकारी, एसईआरबी-एसआरजी लाइफसाइंसेज ने भाग लिया।

सोनवने ने किया नेतृत्व

कार्यक्रम का समन्वय अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर) कार्यालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के डीन प्रोफेसर अविनाश सोनावने के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला के दौरान एसईआरबी ने स्टार्ट-अप अनुसंधान अनुदान कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत जीवन विज्ञान में लगभग 85 चल रही परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन किया। स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट (एसआरजी) योजना का उद्देश्य विज्ञान और इंजीनियरिंग के अग्रणी क्षेत्रों में काम करने वाले शोधकर्ताओं को खुद को स्थापित करने और मुख्यधारा के मुख्य अनुसंधान अनुदान पर आगे बढ़ने में सक्षम बनाना है।